Tree plantation and rain water harvesting
DURGA MAHAVIDYALAYA RAIPUR
23 - 26 July 2019

आज वाटर हॉर्वेस्टिंग करेंगे तो 100 साल बाद भी नहीं होगी पानी की कमी

वाटर हॉर्वेस्टिंग पर दुर्गा कॉलेज में हुई संगोष्ठी।

12 लाख शहर की आबादी सभी घरों में वाटर हॉर्वेस्टिंग से मिलेंगे बेहतर परिणाम

दुर्गा महाविद्यालय में संगोष्ठी

रायपुर। नईदुनिया प्रतिनिधि

दुर्गा महाविद्यालय में पर्यावरण सरंक्षण और जल सरंक्षण पर गुरुवार को संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस मौके पर ही छात्रों के साथ प्राध्यापकों ने पौधारोपण किया। लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्राध्यापकों ने छात्रों को बताया कि आज से ही शहर के सभी 12 लाख रहवासी वाटर हॉर्वेस्टिंग करवाएंगे तो 100 साल बाद बी पानी की कमी नहीं होगी। प्राध्यापकों ने कहा कि प्रदेश में लगातार भूजल स्तर गिरता जा रहा है। हम यदि जागरूक नहीं हुए तो प्रदेश में पानी का अकाल हो जाएगा। इन्हीं कारणों से जल सरंक्षण और वाटर हॉर्वेटिंग जरूरी है।

तीन लोगों का परिवार एक हजार लीटर पानी करता है खर्च

प्राध्यापकों ने बताया कि एक दिन में तीन सदस्य का परिवार एक हजार लीटर पानी खर्च करता है। उक्त पानी को हम वाटर हॉर्वेस्टिंग करें तो 24 घंटे में केवल एक लीटर पानी धरातल तक पहुंचता है। इसलिए हर घर में वाटर हॉर्वेस्टिंग की आवश्यकता है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता विपिन दुबे, प्रतिभा मुखर्जी, डॉ. पूर्णिमा शुक्ला, प्राचार्य डॉ. राकेश कुमार तिवारी, प्रो. सुनीता चंसोरिया आदि मौजूद थे।

कॉलेज परिसर में किया पौधरोपण

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

रायपुर ◆ जल शक्ति अभियान के तहत दुर्गा कॉलेज में पौधरोपण किया गया। इसमें एनएसएस, एनसीसी समेत अन्य छात्रों ने पौधे लगाए। दूसरे दिन नारा लेखन प्रतियोगिता में 20 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। इसमें जल संरक्षण, रेन वाटर हार्वेस्टिंग के नारे लिखे गए। तीसरे दिन विपिन दुबे ने पॉवर प्वाइंट प्रजेंटेशन के साथ जल संकट पर चर्चा की। संचालन रासेयो की योजना अधिकारी प्रो सुनीता चंसोरिया व आभार डॉ अमन झा ने किया।

25 छात्रों ने लिखे नारे किया कालेज में पौधारोपण

रायपुर। जल-शक्ति अभियान के अंतर्गत दुर्गा महाविद्यालय में तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें पहले दिन महाविद्यालय परिवार द्वारा पौधारोपण किया गया। इसमें एनएसएस और एनसीसी के छात्रों का विशेष योगदान रहा। अभियान के दूसरे दिन नारा लेखन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर लगभग 25 छात्रों ने हिस्सा लिया। इसमें जल संरक्षण, रेनवाटर हार्वेटिंग, पानी के बचाव से संबंधित विषयों पर छात्रों ने नारे लिखे। इस दौरान एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर सुनीता चंसोरिया, डॉ. अमन झा और महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राकेश कुमार तिवारी मौजूद रहे। अभियान के तीसरे दिन गुरुवार को पावर प्रजेन्टेशन से जल संकट की गंभीरता के बारे में छात्रों को विस्तार से बताया गया। वर्षा जल संरक्षण और पानी बचाने के अन्य उपायों पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर भी महाविद्यालय के परिवार के शिक्षक व छात्र मौजूद रहे।